राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल

सम्पर्क सरिता

वर्ष–20, अंक–03 जुलाई–सितम्बर 2019

तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय पहल

तकनीकी शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण आवश्यक

राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल का तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अनेक नई प्रणालियाँ आरंभ करने का एक उत्कृष्ट सफल कीर्तिमान रहा है और उसने अपने विभिन्न ग्राहकों के लिए कई समयबद्ध और व्यावसायिक रूप से चुनौतिपूर्ण परियोजनाओं को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया है। संस्थान ने तकनीकी शिक्षा प्रणाली में नवाचारों के अनुरूप व्यापक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपनी क्षमताओं को प्रदर्शित किया है। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने ''तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय पहल'' के अंतर्गत ''तकनीकी शिक्षकों के लिए एक व्यापक प्रशिक्षण नीति'' बनाई

उद्घाटन करते मानव संसाधन विकास मंत्री श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक'

है। नीति निर्माण हेतु प्रो. एच.पी. किंचा की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई। समिति की प्रारंभिक रिपोर्ट को नवम्बर 2018 में प्रकाशित किया गया। इस मूल व्यापक प्रशिक्षण नीति के अंतर्गत संकाय सदस्यों को संपूर्ण सेवाकाल में चार चरणों में प्रशिक्षण एवं विकास का प्रावधान किया गया है। प्रथम चरण में नव–नियुक्त संकाय सदस्यों हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम को दो भागों में विभाजित किया गया है, जिसे परिवीक्षा अवधि में पूर्ण करना होगा। द्वितीय भाग में इन शिक्षकों को सेवा के साथ–साथ इन माड्यूल के अनुभवों को प्रदर्शित करना होगा जिसका मूल्यांकन एक वरिष्ठ मेंटर के द्वारा किया जाएगा। तकनीकी शिक्षकों के प्रशिक्षण हेतु आठ मॉड्यूल की सिफारिश की गई। इन आठ मॉड्यूल का विकास करने एवं स्वयं पोर्टल के माध्यम से प्रशिक्षण हेतु शिक्षकों को उपलब्ध कराने का कार्य राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल, चेन्नई, चंडीगढ़ एवं कोलकाता को दिया गया। दिनांक 11 सितम्बर 2019 को अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ''एआईसीटीई गुणवत्ता पहल'' के शुभारंभ कार्यक्रम में माननीय श्री रमेश पोखरियाल 'निशंक' मंत्री मानव संसाधन विकास मंत्रालय तथा माननीय श्री संजय शामराव धोत्रे, राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय के कर कमलों द्वारा आठ मॉड्यूल के पाठ्यक्रम का विमोचन किया गया। इस कार्यक्रम में एनआईटीटीटीआर, भोपाल के निदेशक प्रो. सी. थंगराज, प्रो. एस.एन. पांडा, प्रो. फाल्गुनी गुप्ता, समिति सदस्य प्रो. एच.पी. किंचा, प्रो. आर.पी. दाहिया, प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन, कर्नल बी. वेंकट और आठ मॉड्यूल के समन्वयक डॉ. पी. मल्लिगा, डॉ. एस.के. गुप्ता, डॉ. एस.एस. केदार, प्रो. चंचल मेहरा, डॉ. जी. जनार्दनन, डॉ. वी. शनमुगनीथी, डॉ. राकेश वत्स, डॉ. मैत्रेयी दत्ता उपस्थित थे। राष्ट्रीय समिति के सदस्य निटर भोपाल के प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन के अनुसार देश में पिछले कुछ दशक में तकनीकी शिक्षण संस्थाओं की संख्या में तीव्र गति से विकास हुआ है। तकनीकी शिक्षण संस्थाओं का देश की आर्थिक प्रगति में बहुत बड़ा योगदान है। प्रतिवर्ष देश की तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में लगभग 30,000 शिक्षकों की नियुक्ति होती है। इन संस्थाओं में शिक्षक डिग्री प्राप्त करने के पश्चात् प्रायः सीधे नियुक्त किये जाते हैं तथा इन शिक्षकों को शिक्षण से संबंधित कोई औपचारिक प्रशिक्षण नहीं दिया जाता, जो उन्हें एक सफल शिक्षक के रूप में तैयार कर सकें। नई नीति में एआईसीटीई ने तकनीकी शिक्षण संस्थाओं में नियुक्त होने वाले शिक्षकों के लिये प्रारंभिक प्रशिक्षण आवश्यक किया है। इस प्रारंभिक प्रशिक्षण के तहत इन शिक्षकों को आठ मॉड्यूल पर प्रशिक्षण निटर द्वारा प्रदान किया जायेगा। राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, भोपाल द्वारा मॉड्यूल दो ''प्रोफेशनल एथिक्स एंड सस्टेनेबिलिटी'' तथा मॉड्यूल चार ''इंस्ट्रक्शनल प्लानिंग एंड डिलीवरी'' का निर्माण किया गया। मॉड्यूल दो के समन्वयक डॉ.एस. के. गुप्ता, प्रो. जोशुआ अर्नेस्ट तथा मॉड्यूल चार के समन्वयक डॉ. किरण सक्सेना, डॉ. एस.एस. केदार एवं सह समन्वयक प्रो. चंचल मेहरा हैं। इन मॉड्यूल के 70 से अधिक वीडियो तथा ई–कंटेंट निर्माण में निटर के समस्त संकाय सदस्यों, अतिथि विशेषज्ञों के साथ–साथ इलेक्ट्रॉनिक मीडिया विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारियों का विशेष योगदान रहा है।

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथिगण एवं विशेषज्ञ

निदर में हिन्दी पखवाड़ा सम्पन्न

हिन्दी को औपचारिकता नहीं दिल से अपनायें : श्री सी.पी. शर्मा

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के तत्वावधान में हिन्दी पखवाड़ा दिनांक 13–27 सितंबर 2019 तक आयोजित किया गया। इसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। स्वरचित कविता, तात्कालिक भाषण, चित्र देखकर कहानी लिखना, राजभाषा हिन्दी पर स्वरचित नारा लेखन, श्रुत लेखन, शब्द पहेली, हिन्दी निबंध एवं पुस्तक समीक्षा प्रतियोगिता आदि का आयोजन किया गया। उद्घाटन अवसर पर संस्थान के संचालक मंडल के अध्यक्ष श्री सी.पी. शर्मा ने सभी से आव्हान किया कि हमें राजभाषा हिन्दी को औपचारिकता के रूप में नहीं बल्कि दिल से अपनाना चाहिए। मुझे खुशी है कि हमारा संस्थान इस दिशा में सार्थक पहल कर रहा है। संस्थान के निदेशक प्रो. सी. थंगराज ने कहा कि हमारे संस्थान ने गत वर्षों में राजभाषा हिन्दी के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। हमारे संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी हिन्दी में काम करने पर स्वयं को गौरवान्वित महसूस करते हैं। इस अवसर पर विशेष अतिथि डॉ. एस.बी. गोस्वामी संचालक हिन्दी ग्रंथ अकादमी भोपाल ने रोचक उदाहरण के द्वारा बताया कि आज विश्व में हिन्दी भाषा तीव्रगति से विकसित हो रही है।

दीप प्रज्वलन करते श्री सी.पी. शर्मा

कुछ भारतीय हिन्दी में काम करने पर अपने आपको दूसरों की तुलना में कमतर आंकते है लेकिन आज दुनिया के सभी विकसित देश हिन्दी भाषा में एक बड़ा बाजार एवं रोजगार देख रहे हैं। हिन्दी भाषा के विकास में इंटरनेट का विशेष योगदान रहा है। दुनिया में इस बात के अनेक उदाहरण मिल जायेंगे कि लोगों ने अपनी मातृभाषा में चलकर ही विज्ञान एवं टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं।

अपनी भाषा के ज्ञान के बिना हम अधूरे हैं : प्रो. रामदेव भारद्वाज

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. रामदेव भारद्वाज

हिन्दी पखवाड़े के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. रामदेव भारद्वाज, कुलपति, अटल बिहारी बाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल, विशेष अतिथि डॉ. सरोज रांगणेकर, पूर्व प्राध्यापक, मेनिट, भोपाल, संस्थान के निदेशक डॉ. सी. थंगराज व संस्थान के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो. रामदेव भारद्वाज ने अपने उदबोधन में बताया कि – मैंने अन्य देशों में देखा है कि कहीं पर भी भाषा की लड़ाई नहीं है। जापान, चीन, रुस आदि सभी देशों में हर विषय का ज्ञान अपनी अपनी भाषा में विद्यमान है। अन्य किसी को उस ज्ञान की जरुरत हो तो वो अनुवाद कराकर ही ले पाएगा। हमारे देश में भी एक राष्ट्र एक भाषा होनी चाहिए। देश में प्रतिभा की कमी नहीं है। कई बार ग्रामीण अंचल के बच्चें जिनके पास ज्ञान का भण्डार होता है, अंग्रेजी भाषा का कम ज्ञान होने के कारण संप्रेषण में संकोच करते हैं। प्रो. भारद्वाज ने कहा कि शब्दों का विन्यास एवं चयन आपके व्यक्तित्व को परिभाषित करता है। आपने कई रोचक उदाहरण देते हुए राजभाषा हिन्दी के विश्व में विकास को बाजारवाद से जोड़कर बताया कि किस तरह विश्व के कई विश्वविद्यालयों में आज हिन्दी सिखाई जा रही है। हिन्दी पखवाड़े के आयोजन की समन्वयक प्रो. वंदना सोमकुवंर थी एवं संचालन श्रीमती शोभा लेखवानी ने किया।

निपुणता एवं प्रवीणता आधारित प्रशिक्षण प्रबंध पर पुस्तक लेखन सम्मान

संस्थान के प्रो. बी.एल. गुप्ता की निपुणता एवं प्रवीणता आधारित प्रशिक्षण प्रबंध विषय पर वर्ष 2015 में कॉन्सेप्ट पब्लिशिंग कंपनी प्रा. लि., नई दिल्ली द्वारा पुस्तक प्रकाशित की गई थी। डॉ. गुप्ता की इस पुस्तक को पुरस्कार हेतु अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद्, नई दिल्ली की पाठ्य पुस्तक योजना में पुरस्कार हेतु प्रेषित किया था। चयन समिति ने इस पुस्तक को डिग्री स्तर के लिए द्वितीय रू. 75000/– नगद एवं प्रशस्ति पत्र पुरस्कार हेतु चुना। एआईसीटीई ने दिनांक 5 जुलाई 2019 को समारोह का आयोजन कर सभी विजेताओं को पुरूस्कृत किया। प्रो. गुप्ता ने एआईसीटीई अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं सचिव के करकमलों से यह पुरस्कार प्राप्त किया एवं पुस्तक लेखन के अनुभवों को साझा किया। इस उपलब्धि पर संस्थान द्वारा प्रो. गुप्ता का शॉल एवं श्रीफल से सम्मान किया गया। संस्थान की ओर से प्रो. बी.एल. गुप्ता को बधाई एवं भविष्य में पुस्तक लेखन हेतु हार्दिक शुभकानाएं।

प्रो. बी.एल. गुप्ता को सम्मानित करते एआईसीटीई अध्यक्ष

गुणवत्ता एक सतत प्रक्रियाः प्रो. संजय आर. जोशी

एन.बी.ए. एक्रीडिटेशन पर प्रशिक्षण

एनबीए प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी

संस्थान द्वारा दिनांक 26 से 30 अगस्त 2019 तक डॉ. एस. एण्ड एस. एस. गांधी इंजीनियरिंग एवं टेक्नालॉजी महाविद्यालय में "एनबीए एक्रीडिटेशन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उदघाटन सत्र में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संजय आर. जोशी ने कहा कि 'गुणवत्ता एक सतत प्रक्रिया है"। किसी भी क्षेत्र में गुणवत्ता एक दिन में प्राप्त नहीं की जा सकती। इस हेतु सतत् प्रयास करना आवश्यक है। यदि हम गुणवत्ता को दिल से अपनायें एवं अपने जीवन के हर क्षेत्र में शामिल कर लें तो परिणाम उत्कृष्ट होंगे एवं आप अपने कार्य में आनंद का अनुभव करेंगे। कार्यक्रम समन्वयक प्रो. डी.एस. करौलिया ने एनबीए की मूलभावना अनुसार कार्यक्रम के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को आऊटकम बेस्ड, एजुकेशन, एनबीए पॉलिसी, विजन, मिशन, पीओ, पीईओ, पीएसओ, सीओ, कोर्स एवं प्रोग्राम आर्टिकुलेशन, मेट्रिक्स, करीकुलम गेप, असेस्मेंट, रूब्रिक्स, एनबीए के विभिन्न मापदंड एवं नीति, सेल्फ असेस्मेंट रिपोर्ट तैयार करना, एनबीए टीम के आने के पूर्व की तैयारी कैसे करें आदि पर विस्तृत रूप से प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों ने विभिन्न टास्क एवं असाईन्मेंट पूर्ण किये एवं एचीवमेन्ट टेस्ट दिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में गुजरात राज्य के पॉलिटेक्निक/इंजीनियरिंग महाविद्यालय के 118 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. डी.एस. करौलिया थे एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. व्ही.एच. राधाकृष्णन, प्रो. पी.के. पुरोहित, प्रो. सूसन एस. मैथ्यु ने सहयोग प्रदान किया। इसी श्रृंखला में एनबीए एक्रीडिटेशन कार्यक्रम का आयोजन राजकोट एवं अहमदाबाद में भी

एनबीए प्रशिक्षण कार्यक्रम के प्रशिक्षणार्थी

किया गया। राजकोट में 132 प्रशिक्षणार्थियों ने एवं अहमदाबाद में 128 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। समन्वयक प्रो. शरद प्रधान व प्रो. आर. के. दीक्षित थे संकाय सदस्य के रूप में डॉ. दीपक सिंह, डॉ. रवि कपूर, डॉ. संजय अग्रवाल, डॉ. अंजली पोतनीस एवं प्रो. सुब्रत राय ने अपना योगदान दिया।

महिला उद्यमिता और स्टार्ट अप पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

निटर निदेशक के साथ आईटेक प्रशिक्षणार्थी

संस्थान के व्यावसायिक शिक्षा एवं उद्यमिता विकास विभाग द्वारा दिनांक 9–20 सितम्बर 2019 तक निटर, भोपाल में भारतीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग कार्यक्रम (आईटेक) के तहत विदेश मंत्रालय भारत सरकार द्वारा प्रायोजित "महिला उद्यमिता और स्टार्ट अप" पर द्वि–सप्ताहिक अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम की अध्यक्षता म.प्र. राज्य कौशल विकास और रोजगार सृजन बोर्ड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री जी.एन. अग्रवाल ने की। उन्होंने कहा कि व्यवसाय शुरू करने के लिये 5–सी (कम्पनी, कस्टमर, कॉम्पीटीशन, कम्युनिकेशन एवं क्लाइमेट) कंपनी ग्राहक, प्रतिस्पर्धा, संचार एवं जलवायु के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी होना आवश्यक है। संस्थान के निदेशक महोदय डॉ. सी. थंगराज ने कहा कि किसी भी देश के विकास के लिए महिला उद्यमिता और स्टार्ट–अप को बढ़ावा देना चाहिए, ताकि देश की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो सके। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. निशीथ दुबे के अनुसार इस कार्यक्रम में 18 विभिन्न देशों जिनमें कांगो, तंजानिया, नाइजेरिया, इजिप्ट, ईरान, इथोपिया, मोरिशस, अल–सल्वाडोर, कीनिया, समोआ, हाडुरास, फिलीपींस, ग्वाटेमाला, जिम्बाब्वे, सूरीनाम, श्रीलंका, सुडान एवं उज्बेकिस्तान से प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसके अंतर्गत महिला उद्यमिता और स्टार्ट–अप की रूपरेखा, विशेषताएँ/लक्षण, ट्रेनर प्रेरणा की भूमिकाएँ और जिम्मेदारियां, रचनात्मकता, महिला उद्यमिता, संचार, उद्यमशीलता की प्रेरणा, लघु उद्योग शुरू करने की प्रक्रिया, विपणन प्रबंधन एवं व्यापार की योजना विकसित करना भी सिखाया गया। विभिन्न देशों से आये प्रतिभागियों को शैक्षणिक भ्रमण के लिये दयालबाग डीम्ड विश्वविद्यालय में उद्यमिता से संबंधित कार्यों से अवगत कराया एवं भारत की ऐतिहासिक धरोहर ताजमहल का भ्रमण कराया गया। म.प्र. राज्य कौशल विकास रोजगार सृजन बोर्ड की ओर से ग्लोबल कौशल पार्क से निर्णय लेने की क्षमता से अवगत कराया गया, साथ ही स्टार्ट–अप इन्क्यूबेशन सेंटर में महिला उधमिओं से परिचर्चा करके स्वयं को विकसित करने का प्रयास किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता बीएचईएल के पूर्व अध्यक्ष एवं निदेशक श्री एस.एन डागा ने की। इस अवसर पर विभिन्न देशों से आये प्रतिभागियों ने अपने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। संस्थान के संकाय सदस्य प्रो. आर.जी. चौकसे, डॉ. अंजु रौले, प्रो. चंचल मेहरा, प्रो. अतुल मिश्रा एवं प्रो. रोली प्रधान द्वारा कार्यक्रम में योगदान दिया गया।

हरित प्रोद्यौगिकी पर प्रशिक्षण

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अंतर्गत अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 24 से 25 जुलाई 2019 तक "हरित प्रोद्योगिकी" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को हरित प्रोद्योगिकी के विभिन्न आयामों जैसे हरित प्रोद्योगिकी की आवश्यकता, पर्यावरण प्रदूषण, ओजोन परत में क्षय, ग्लोबल वार्मिंग, हरित क्रय एवं विक्रय, इलेक्ट्रॉनिक कचरा प्रबंधन, हरित भवन, हरित अभिकलन, हरित उर्जा जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 12 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। इनमें सांई विश्वविद्यालय, पालमपुर, हिमाचल प्रदेश, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल, बरकतउल्ला विश्वविद्यालय, भोपाल के प्रशिक्षणार्थियों ने भी भाग लिया। कार्यशाला के समन्वयक डॉ. बशीरउल्ला शेख एवं संकाय सदस्य के रूप में प्रो. पी.के. पुरोहित एवं प्रो. हुसैन जीवाखान ने योगदान दिया।

प्रयोगशाला प्रबंधन पर प्रशिक्षण

संस्थान की राजभाषा कार्यान्वयन समिति के अंतर्गत अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 12–13 सितम्बर 2019 तक "प्रयोगशाला प्रबंधन" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को प्रयोगशाला का रखरखाव, वर्चुअल प्रयोगशाला, प्रयोगशाला में नवाचार, प्रयोगशाला की कार्य योजना बनाना, प्रयोगशाला तकनीशियन के कार्य एवं उत्तरदायित्व, प्रयोगशाला में दुर्घटना एवं सुरक्षा विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेख, एवं प्रो. हुसैन जीवाखान ने योगदान दिया।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत पर प्रशिक्षण

संस्थान के अनुप्रयुक्त विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 19–23 अगस्त 2019 तक "ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोत" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों के विभिन्न आयामों जैसे सौर ऊर्जा, नाभिकीय ऊर्जा, हरित ऊर्जा, हरित ईधन ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों की आवश्यकता, हरित ईधन का पर्यावरण पर प्रभाव आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षणार्थियों को बायोडीजल, बायोमॉस हाईब्रिड वाहन, विद्युत चलित वाहन आदि पर भी जानकारी दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 21 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. पी.के. पुरोहित एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. बशीरउल्ला शेक एवं डॉ. हुसैन जीवाखान ने योगदान दिया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

गवर्नमेन्ट ई-मार्केटप्लेस प्रक्रिया पर प्रशिक्षण

संस्थान के केन्द्रीय भण्डार विभाग द्वारा दिनांक 13 जुलाई 2019 को "गवर्नमेन्ट ई–मार्केटप्लेस" (जैम) पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा दिये गये ऑनलाइन पोर्टल पर खरीददारी प्रथम, द्वितीय खरीदार अपना पंजीयन कैसे कराएं, पारदर्शिता और आसान खरीददारी, बहुविध विक्रेताओं से अनेक उत्पादों/सेवाओं का ऑफर, उत्पादों और सेवाओं का बाजार आधारित समूह, बाजार खोज/तुलना, सीधी खरीद/ई–बिड़/आर.ए., एकीकृत भुगतान प्रणाली, आसान रिटर्न पॉलिसी का प्रावधान, संपर्क केन्द्र और ऑनलाइन प्रशिक्षण मॉडयूल्स, सक्षम वेंडर रेटिंग प्रणाली, मार्केट पेज–फिल्टर्स और मल्टी–कार्ट कार्यक्षमता, खरीदारी, आपूर्ति और भुगतानों की निगरानी के लिए रोल आधारित डैशबोर्ड जैसे विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 30 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. दीपक सिंह एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. हुसैन जीवाखान ने योगदान दिया।

व्याख्यान देते विशेषज्ञ

राष्ट्रीय परामर्श बैठक सम्पन्न

पंडित मदनमोहन मालवीय नेशनल मिशन फॉर टीचर्स एंड टीचिंग योजना के अन्तर्गत टीचिंग लर्निंग सेंटर, निटर भोपाल द्वारा नेशनल कंसल्टेशन मीट का आयोजन दिनांक 5–6 सितम्बर 2019 को किया गया। इस बैठक में तेजपुर, पांडिचेरी, बारगंल, हैदराबाद, वर्धा, पुणे, बनारस, प्रयागराज, आगरा, कॉचीपुरम, अलीगढ़, बैंगलोर आदि शहरों से इस योजना के अंतर्गत कार्यरत संस्थाओं की प्रस्तुति हुई। बैठक का उद्घाटन निदेशक डॉ. सी. थंगराज ने करते हुए इस योजना को लाभदायक एवं शिक्षा से जुड़ी होने के कारण सर्वप्रभावी बताया। इन संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने अपने संस्थाओं की उपलब्धियाँ, गतिविधियां, भविष्य की योजनाएं एवं कार्यक्रम पर प्रकाश डाला। गतिविधियों के दौरान मूल समस्याओं और कठिनाइयों का भी वर्णन किया गया। संस्थान की ओर से प्रो. आर.बी. शिवगुंडे, प्रो. आर. जी. चौकसे एवं प्रो. निशिथ दुबे ने टीएलसी प्रोजेक्ट पर प्रस्तुति दी। इस बैठक में प्रो. एस.आर. पंडीयन, डॉ. नंदिता सतसंगी, प्रो. मुग्ध शर्मा, प्रो.

बैठक को संबोधित करते प्रो. सी. थंगराज

इकबाल हुसैन अहमद, डॉ. नवोदिता, प्रो. मुमताज बेगम, डॉ. अब्दुल मजीद, प्रो. डॉ. अरूणा पी.के., प्रो. आर.पी. खम्बायत आदि ने भाग लिया।

प्रशिक्षण की आवश्यकता के विश्लेषण पर कार्यशाला

कार्यक्रम को संबोधित करते प्रो. वीरेन्द्र कुमार संचालक तकनीकी शिक्षा म.प्र.

संस्थान ने वर्ष 2020–2021 के लिए प्रशिक्षण कैलेण्डर तैयार करने की प्रक्रिया शुरू की है। इसी श्रंखला में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़ राज्य के लिये प्रशिक्षण की आवश्यकता ज्ञात करने के लिए कार्यशाला का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश के लिए कार्यशाला का आयोजन दिनांक 27 अगस्त 2019, महाराष्ट्र राज्य के लिये 21 सितबंर 2019, गोवा के लिये 24 सितंबर 2019 एवं छत्तीसगढ़ राज्य के लिये दिनांक 04 सितंबर 2019 को किया गया। उक्त कार्यशालाओं के आयोजन में प्रो. संजय अग्रवाल, प्रो. बी.एल. गुप्ता, प्रो. एम.ए. रिज़वी, प्रो. पराग दुबे, प्रो. आर.बी. शिवगुण्डे, प्रो.ऐलन संजय रौचा ने योगदान दिया।

पेंशन अदालत में निपटाए गए मामले, सुविधा देने एवं नवाचार करने की पहल

केन्द्रीय मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार संस्थान में पेंशन अदालत का आयोजन किया गया। इसमें कई पेंशनर्स ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस मौके पर बड़ी संख्या में पेंशनर्स मौजूद रहे। कुछ पेंशनर्स की समस्याओं का तत्काल निराकरण करते हुए समस्त प्रकरणों को निर्धारित समय में निराकरण के लिए कार्रवाई की गई। मंत्रालय द्वारा पेंशन अदालत आयोजित किए जाने की सभी पेंशनर्स ने प्रशंसा की। कई पेंशनर्स ने कहा कि हमें संस्थान ने कोई शिकायत का मौका नहीं दिया। हमारे काम अपने आप ही समय पर पूर्ण हो जाते हैं। अदालत में निदेशक डॉ. सी. थंगराज, अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. ए.के. जैन, सह–अधिष्ठाता प्रशासन डॉ. ए.के. सराठे, श्रीमती अनीता लाला आदि प्रकरणों की सुनवाई एवं समाधान के लिए उपस्थित रहे।

बैठक में उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारी

आयोजन के दौरान पेंशनर्स को भविष्य में सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से संस्थान के वेबसाइट पर "पेंशनर्स कार्नर" शुरू किए जाने का निर्णय लिया गया, ताकि समस्त पेंशनर्स विभिन्न सूचनाएं एवं आवश्यक प्रपत्र वेबसाइट से प्राप्त कर सकें।

पॉलिटेक्निक के माध्यम से सामुदायिक विकास पर कार्यक्रम

पॉलिटेक्निक के माध्यम से सामुदायिक विकास योजना के अंतर्गत दिनांक 06 से 08 अगस्त 2019 तक" गुजरात एवं गोवा राज्य के लिए प्रशिक्षण

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

कार्यक्रम का आयोजन विस्तार केन्द्र, अहमदाबाद में किया गया। इसमें गुजरात, एवं गोवा के पॉलिटेक्निक कॉलेजों के अंतर्गत सीडीटीपी योजना के सलाहकार एवं आंतरिक समन्वयक ने भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य कम्यूनिटी पॉलिटेक्निक परियोजना के अंतर्गत कार्यरत प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करना था, जिससे कि वो अपने कार्य को अधिक प्रभावी ढंग से कर सकें तथा उनके द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा करके आगामी संचालित कार्यक्रमों की योजना बनाकर सीडीटीपी स्कीम का प्रभावी ढंग से क्रियान्वयन कर सकें। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 14 प्रशिक्षार्णी उपस्थित हुये। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. एस. के. गुप्ता, संकाय सदस्य के रूप में प्रो. अजय कुमार जैन ने योगदान दिया।

नराकास बैठक एवं राजभाषा गतिविधियाँ संपन्न

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति क्र. 01, भोपाल की वर्ष 2019 की प्रथम बैठक, 19 जुलाई, 2019 को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गृह–मंत्रालय, भोपाल के सहायक निदेशक, श्री हरीश सिंह चौहान एवं प्रो. सरित कुमार चौधरी, निदेशक इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल एवं लगभग 60 सदस्य केन्द्रीय कार्यालय प्रमुख एवं राजभाषा अधिकारी उपस्थित थे।

राजभाषा विभाग गृह मंत्रालय द्वारा 08 अगस्त, 2019 को मध्य–प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के सभी नराकास के सदस्य सचिवों हेतु राजभाषा संगोष्ठी सी. पी.आर.आई., भोपाल में आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, गृह–मंत्रालय, भोपाल के सहायक निदेशक, श्री हरीश सिंह चौहान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुऐ। सदस्य सचिव श्रीमती शोभा लेखवानी एवं श्री संजय त्रिपाठी द्वारा संगोष्ठी में प्रतिभागिता की गई।

राजभाषा कार्यान्वयन समिति की 84वीं तिमाही बैठक डॉ. सी थंगराज की अध्यक्षता में 26 अगस्त, 2019 को संस्थान में संपन्न हुई। इसमें लगभग 15 सदस्य शामिल हुए। सचिव ने जानकारी देते हुए बताया कि गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी विभाग स्तर पर राजभाषा में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विजेता, विभाग का चयन करने हेतु प्रतियोगिता की गई थी। इसके परिणाम के आधार पर प्रशासनिक विभाग चल–शील्ड विजेता रहेगा। बैठक के अंत में अध्यक्ष महोदय द्वारा संस्थान के सभी विभागों को अधिक से अधिक कार्य राजभाषा में किए जाने व मंत्रालय द्वारा प्राप्त निर्देशानुसार कार्य किये जाने का अनुरोध किया गया।

संरचनात्मक बनावट पर प्रशिक्षण

दिनांक 19 से 23 अगस्त 2019 तक संरचनात्मक बनावट पर एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पॉलिटेक्निक एवं इंजीनियरिंग कॉलेजों के 21 संकायगण ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्टेड सॉफ्टवेयर के द्वारा भवनों के विश्लेषण एवं बनावट के बारे में समझाया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. एम. सी. पालीवाल एवं श्री रौनक सिंह सूरी ने सहयोग प्रदान किया गया।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन

संस्थान के स्टेट एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेन्ट विभाग द्वारा स्वच्छता पखवाड़ा के उपलक्ष्य में "एकल उपयोग प्लास्टिक के प्रतिबंध और प्लास्टिक के हानिकारक प्रभाव" विषय पर 13 सितम्बर 2019 को वैज्ञानिक, निरेह, भोपाल डॉ. योगेश सब्दे जी के महत्वपूर्ण एवं रोचक व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में प्लास्टिक उपयोग करने से होने वाले उसके दुष्प्रभाव के बारे में सभी को जागरूक किया गया।

नवाचारी प्रयोग पर प्रशिक्षण

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 19–23 अगस्त 2019 तक नवाचारी प्रयोग पर प्रशिक्षण विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में गुजरात के 21 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को आर्दिनो, वर्चुअल लेब, पीएलसी–स्काडा, आईओटी आदि विषयों पर विस्तृत जानकारी दी गई। कम लागत से बनने वाले नवीन प्रायोगिक कक्षाओं के विकास का प्रशिक्षण इस कार्यक्रम की विशेषता थी। कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. सी.एस. राजेश्वरी एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. अंजली पोतनीस ने सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

प्रयोगशाला प्रयोगों की संरचना पर प्रशिक्षण

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं प्रो. कामत, संचालक तकनीकी शिक्षा, गोवा

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा गोवा में दिनांक 08–12 जुलाई 2019 तक "परिणाम आधारित प्रयोगशाला प्रयोगों की संरचना" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सुसन एस. मैथ्यू एवं संकाय सदस्य के रूप में डॉ. वंदना सोमकुंवर ने सहयोग प्रदान किया।

स्वतंत्रता दिवस आयोजित

झंडावंदन करते श्री सी.पी. शर्मा

संस्थान में 15 अगस्त, 2019 को स्वतंत्रता दिवस के शुभ अवसर पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष, संचालक मण्डल श्री सी.पी. शर्मा, निदेशक डॉ.सी. थंगराज के साथ–साथ संस्थान के समस्त संकायगण/अधिकारीगण/कर्मचारीगण भी उपस्थित थे। इस अवसर पर अध्यक्ष संचालक मंडल श्री सी.पी. शर्मा ने निटर परिवार को स्वतंत्रता दिवस की बधाई देते हुए आव्हान किया कि हम सभी राष्ट्रहित के लिये अपने–अपने कार्य को पूर्ण समर्पण, प्रतिबद्धता व ईमानदारी से करें।

विदाई समारोह का आयोजन

संस्थान में कार्यरत श्री अनिल कथूरिया, वरिष्ठ भण्डार सहायक को उनकी अर्धवार्षिकी आयु पूर्ण करने पर दिनांक 30 सितंबर 2019 को परम्परागत तरीके से विदाई दी गई। संस्थान की और से उनके स्वस्थ एवं सफल जीवन हेतु शुभकामनाएं दी गई।

संसाधन विकास पर कार्यशाला

संस्थान के इलेक्ट्रीकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 05–09 अगस्त 2019 तक "संसाधन विकास" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 13 प्रतिभागी सम्मिलित हुये। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विकसित संसाधन की आउटलाइन के आधार पर यूनिट/चेप्टर के ड्रॉफ्ट लिखे गये। इस कार्यक्रम की समन्वयक प्रो. सुसन एस. मैथ्यू थी।

कार्यक्रम में उपस्थित विशेषज्ञ एवं निटर निदेशक

केटिया सॉफ्टवेयर से सिमुलेशन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

केटिया सॉफ्टवेयर से सिमुलेशन कार्य करने हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन संस्था के यांत्रिकी विभाग ने 16 से 20 सितंबर, 2019 तक किया। इस कार्यक्रम में समन्वयक डॉ. शरद प्रधान व इंडस्ट्री एक्सपर्ट द्वारा प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम में 19 प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर केटिया सॉफ्टवेयर सिमुलेशन पर आधारित 10 विभिन्न एसाइमेंट्स सफलतापूर्वक पूर्ण किये। सभी प्रशिक्षणार्थियों ने कार्यक्रम की सराहना की।

शिक्षकों के प्रशिक्षकों के लिये प्रशिक्षण

संस्थान के टीचिंग व लर्निंग सेन्टर (टीएलसी) द्वारा देहरादून, उत्तराखंड के श्री गुरूरामराय पी.जी. महाविद्यायालय में दिनांक 16–20 सितम्बर 2019 तक शिक्षकों के लिए "प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण" विषय पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में उत्तराखंड के 32 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को शिक्षा के क्षेत्र में की गई नई पहल व प्रशिक्षण के नये आयामों की जानकारी दी गई। इस कार्यक्रम की समन्वयक डॉ. अंजली पोतनीस एवं डॉ. सी.एस. राजेश्वरी ने संकाय सदस्य के रूप में सहयोग प्रदान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

सी.एन.सी प्रोग्रामिंग एण्ड सिम्यूलेशन

कार्यक्रम में उपस्थित प्रशिक्षणार्थी एवं संकाय सदस्य

मेकेनिकल अभियांत्रिकी विभाग द्वारा 8 से 12 जुलाई, 2019 तक "सी. एन.सी प्रोग्रामिंग एण्ड सिम्यूलेशन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रशिक्षणार्थियों को सी.एन. सी. प्रोग्रामिंग, टूल पाथ सिम्यूलेशन, ऑफ लाइन कंट्रोल पेड्स का प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. ए.के. सराठे थे एवं संकाय सदस्य के रुप में डॉ. के.के. जैन ने अपना योगदान दिया।

एनआईटीटीटीआर भोपाल में आयोजित विभिन्न गतिविधियाँ

निटर में आयोजित राजभाषा कार्यक्रम

निटर में संपन्न विभिन्न गतिविधियाँ

निटर में मूक्स हेतु वीडियो निर्माण करते विशेषज्ञ

निटर द्वारा आयोजित विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम

संरक्षक : प्रो. सी. थंगराज, निदेशक, संपादक : प्रो. पी. के. पुरोहित, सह–संपादक : श्रीमती शोभा लेखवानी
सहयोग : श्रीमती अनिता लाला, टंकण : श्रीमती साधना त्रिपाठी, छायांकन : श्री रितेन्द्र पवार
आन्तरिक वितरण हेतु राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान, शामला हिल्स, भोपाल–462002 द्वारा प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट प्रिंटर्स द्वारा मुद्रित